दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 02 जनवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 95

महत्वपूर्ण एवं खास

बर्थडे पार्टी से लौटते समय भीषण सड़क हादसा, दो युवकों की दर्दनाक मौत

जालंधर (आरएनएस)। बर्थडे पार्टी से लौटते समय एक भीषण सडक़ हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। हादसा तब हुआ जब युवकों की कार डिवाइडर से टकराने के बाद दूसरी तरफ से आ रही एक कार से भिड़ गई। मृतकों में पहला युवक पंकज, जो फिल्लौर के मेहसोमपुर गांव का निवासी था, और दूसरा युवक दीपक बग्गा, जो जालंधर का रहने वाला एक टैक्सी ड्राइवर था। बताया जा रहा है कि दीपक लुधियाना से जालंधर की ओर लौट रहा था। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

गाजियाबाद : जीआरपी की गिरफ्त में चार शातिर, लाखों के फोन, गहने और लैपटॉप बरामद

गाजियाबाद (आरएनएस)। गाजियाबाद की जीआरपी पुलिस ने चार ऐसे शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जो गाजियाबाद से दिल्ली की तरफ जाने वाली ट्रेनों से मोबाइल, गहने, लैपटॉप समेत अन्य कीमती सामान छीनकर फरार हो जाते थे। उनके पास से पुलिस ने लाखों रुपए के मोबाइल, गहने और लैपटॉप बरामद किए हैं। अब तक यह कई वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए सभी आरोपी नशे के आदी हैं। सभी नशे की लत के लिए वारदातों को अंजाम देते थे। जीआरपी पुलिस के मुताबिक गाजियाबाद में चार शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए चारों आरोपी 20 से 24 साल की उम्र के हैं। जीआरपी पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ भी की। गैंग के लीडर शिवम ने बताया कि उनका गिरोह ट्रेन में चढ़ जाता था। जब ट्रेन की रफ्तार धीमी होती थी तो शातिर सामान चुरा लेते थे और नीचे उतर जाते थे। कई बार तो चलती ट्रेन से सामान छीनकर कूद जाते थे। चोरी किए गए सामानों को बेचकर नशे की लत को पूरा करते थे। पुलिस ने बताया कि यह गैंग कई सालों से वारदातों को अंजाम दे रहा था। इनके पुराने आपराधिक इतिहास को खंगाला जा रहा है। गिरोह से बरामद लाखों रुपए के मोबाइल, सोने-चांदी के गहने और लैपटॉप के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जीआरपी पुलिस के मुताबिक गाजियाबाद से दिल्ली की तरफ जाने वाले ट्रेन के रास्ते में जो भी गाड़ी धीमी होती थी, उसमें वारदात को अंजाम दिया जाता था। पुलिस ने दावा किया है कि गिरोह के पकड़े जाने से चोरी और लूट के कई मामलों का खुलासा होगा।

महाराष्ट्र के जलगांव में दो गुटों के बीच पथराव-आगजनी, कर्फ्यू लगाया गया

जलगांव (आरएनएस)। महाराष्ट्र के जलगांव जिला स्थित पलाधी गांव में बीती रात दो गुटों के बीच टकराव के बाद कर्फ्यू लगा दिया गया है। यह विवाद वाहन के हॉर्न बजाने को लेकर शुरू हुआ। कथित तौर पर विवाद तब शुरू हुआ जब शिवसेना मंत्री गुलाबराव पाटिल के परिवार को ले जा रहे वाहन चालक ने हॉर्न बजाया, जिससे लोग नाराज हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कहासुनी मंगलवार साढ़े नौ बजे के यह विवाद मारपीट में बदल गया और जल्द ही इसने पथराव और आगजनी का रूप ले लिया। गुस्साई भीड़ ने दुकानों और वाहनों में आग लगा दी और पथराव किया। घटना के बाद जलगांव के विभिन्न इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने इस मामले में 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और करीब 10 लोगों को हिरासत में लिया है। एहतियातन कर्फ्यू लगा दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

नए साल में छत्तीसगढ़ की बड़ी उपलब्धि

ग्रीन जीडीपी के लिए बना देश का पहला राज्य

रायपुर। आरएनएस

नये साल की पूर्व संध्या पर छत्तीसगढ़ ने कीर्तिमान रचा है। नये साल 2025 में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वन पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को ग्रीन जीडीपी के साथ जोडऩे की पहल शुरू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इससे पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के व्यापक मूल्य को मापकर छत्तीसगढ़ में विकास की गति को आगे बढ़ाया जायेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 विजऩ और सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप विजऩ डॉक्यूमेंट तैयार कर रही है, जिसमें वन विभाग नेसंचालित पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के मूल्यांकन की अवधारणा शामिल है। यह समग्र दृष्टिकोण राज्य में पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक प्रगति के बीच संतुलन बनाए रखने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जिससे आने वाली पीढिय़ों के लिए सतत और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित हो सके। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का मूल्यांकन न केवल बजटीय योजना को अधिक सुव्यवस्थित बनाएगा, बल्कि भविष्य की रणनीतियों को दिशा प्रदान करेगा, धन आवंटन को अधिक प्रभावी बनाएगा और वानिकी विकास के प्रयासों को सशक्त करेगा। यह प्रक्रिया सतत विकास और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। छत्तीसगढ़ में संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम ने स्थानीय समुदायों को और अधिक सशक्त बनाया है। गुरु घासीदास, कांगेर घाटी और इंद्रावती

जैसे राष्ट्रीय उद्यानों के साथ छत्तीसगढ़ में प्रकृति आधारित पर्यटन के लिए असीम संभावनाएं हैं। स्थानीय निवासियों को जंगल सफारी, नेचर ट्रेल्स और इको-कैंपिंग जैसी सुविधाओं के प्रबंधन में सक्रिय रूप से शामिल किया जा रहा है, जिससे न केवल सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को भी सशक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ का 44 प्रतिशत भू-भाग वन क्षेत्र से आच्छादित है। यह राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत आधार हैं और लाखों लोगों की आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।ये वन विभिन्न प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ प्रदान करते हैं। वनों से प्राप्त होने वाले अन्य महत्वपूर्ण अमूर्त लाभ अक्सर उपेक्षित रहते हैं और उनका उचित मूल्यांकन नहीं हो पाता। इनमें जलवायु संतुलन बनाए रखने के लिए कार्बन अवशोषण, कृषि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण परागण, पोषक तत्वों का चक्रण, मृदा उर्वरता में सुधार और जैव विविधता संरक्षण जैसी सेवाएं शामिल हैं। वनों का बाढ़ और रोग नियंत्रण, जल प्रवाह का प्रबंधन और वेक्टर जनित रोगों के जोखिम को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका है। वहीं वनों से जल पुनर्भरण और शुद्धिकरण होता है, शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान कर वायु गुणवत्ता में सुधार होता है, और सुंदर प्राकृतिक दृश्य तथा जैव विविधता-समृद्ध क्षेत्रों के माध्यम से मनोरंजन के साथ-साथ भावनात्मक संतुष्टि भी प्रदान होती है। इन वनों का गहरा आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व भी है, क्योंकि पवित्र स्थलों और देवगुड़ी जैसे क्षेत्रों के माध्यम से ये आदिवासी विरासत और परंपराओं को संरक्षित रखते हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के वन अनेक नदियों का उद्गम स्थल हैं, जो सतत जल प्रवाह, जलग्रहण क्षेत्र संरक्षण और कृषि तथा आजीविका के लिए आवश्यक जैविक पदार्थ से मृदा को समृद्ध करने में सहायक हैं। इन प्रत्यक्ष लाभों का राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर व्यापक आर्थिक प्रभाव पड़ता है। ये सभी लाभ ग्रामीण उद्योगों और आजीविका को प्रोत्साहित करते हैं और राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं।

नए साल पर शिमला पहुंचे पर्यटक, बर्फबारी का कर रहे इंतजार

शिमला (आरएनएस)। नए साल से पहले हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में पर्यटकों की संख्या बढ़ गई है। शिमला में पर्यटक नए साल के बीच बर्फबारी का आनंद लेने भी पहुंचते हैं। इस बार बर्फबारी में देरी की वजह से पर्यटक इंतजार कर रहे हैं। इन दिनों यहां होटल 90 फीसदी तक भरे हैं।

अनुमान के मुताबिक, अगर पर्यटकों का तांता ऐसे ही लगा रहा तो 31 दिसंबर तक होटल पूरी तरह भर जाएंगे। नए साल की छुट्टियां मनाने के लिए पर्यटक शिमला के प्रमुख आकर्षण स्थलों पर जा रहे हैं और बर्फबारी का इंतजार कर रहे हैं। होटल और रिसॉर्ट्स में रुकने के लिए बड़ी संख्या में बुकिंग हो चुकी है। शिमला के वातावरण में खुशी और उत्साह का माहौल है, और पर्यटक इस समय यहां के सुंदर दृश्य और ताजगी का पूरा लुत्फ उठा रहे हैं। दिल्ली के दिलशाद गार्डन के रहने वाले मोहम्मद साद ने बताया, जब हम यहां पहुंचे थे, तो बर्फबारी हो रही थी और न्यू ईयर मनाने के लिए हम शिमला आए थे। हमने क्रिसमस का जश्न यहां नहीं मनाया, लेकिन न्यू ईयर इंजॉय करने के लिए यहां आए हैं।

अनियंत्रित होकर बाइक नहर में गिरी, तीन युवकों की मौत

सासाराम । आरएनएस

बिहार के रोहतास जिले के सूर्यपुरा थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक बाइक के अनियंत्रित होकर नहर में गिरने से तीन युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने तीनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, सासाराम के सूर्यपुरा थाना क्षेत्र में सडक़ हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, तीनों युवक अपनी बहन के घर नटवार गांव उसका जन्मदिन मनाने गए थे और देर रात वापस गुनसेज गांव आ रहे थे। इस बीच, रास्ते में ही बाइक अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। सुबह में जब कुछ लोग उस सडक़ की ओर निकले तब लोगों ने शव देखा और घटना की जानकारी हुई। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को भी दी गई।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

घटना के बाद सूर्यपुरा पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के लिए भेज दिया है। मृतकों की पहचान प्रियांशु कुमार (25) पिता मुद्रिका सिंह, अंकित कुमार (22) पिता संजय सिंह और शशिरंजन उर्फ मनु कुमार (23) पिता रामेश्वर सिंह के रूप में की गई है।

मृतक के परिजन विकास कुमार ने कहा कि तीनों साथ में बाइक पर बहन से मिलने गए थे और वहां से आने के दौरान यह घटना घटी। घटना के बाद मृतकों के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। गांव में एक जनवरी नए वर्ष के आगमन की खुशी मातम में बदल गई।

नए साल पर केंद्र ने दिया किसानों को तोहफा, खाद पर बढ़ी सब्सिडी

नई दिल्ली । आरएनएस

नए साल में मोदी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक किसानों के नाम रही है। साल के पहले दिन बुधवार को हुई बैठक में डीएपी फर्टिलाइजर के लिए स्पेशल पैकेज को मंजूरी दी गई। इसके तहत फर्टिलाइजर बनाने वाली कंपनियों को सरकार की ओर से सब्सिडी भी दी जाएगी। केंद्र सरकार द्वारा यह सब्सिडी (स्पेशल पैकेज) 31 दिसंबर 2025 तक दी गई है।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद मीडिया को बताया कि किसानों को डीएपी का 50 किलो का बैग 1,350 रुपये में उपलब्ध कराया जाएगा। यह वन टाइम पैकेज काफी महत्वपूर्ण है। पड़ोस के देशों में डीएपी का 50 किलो का बैग तीन हजार रुपये से ज्यादा में मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में भले ही कैसे भी स्थिति आ जाए हमें अपने किसानों को सुरक्षित करना है। उनके ऊपर बोझ नहीं डालना है।

उन्होंने राज्य सरकारों से अपील की है कि डीएपी के नाम पर कुछ लोग किसानों को ठगने का प्रयास करेंगे। मैं उन्हें चेतावनी देता हूं कि अगर कोई ऐसा करते हैं तो उन पर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि इस पैकेज पर लगभग 3,850 करोड़ रुपये की लागत होगी। साल 2014 से लेकर अब तक कोविड-19 का वह दौर भी आया जब स्थिति काफी खराब थी। लेकिन, हमारी सरकार और पीएम मोदी ने सुनिश्चित किया है कि किसानों को बाजार के उतार-चढ़ाव का खामियाजा न उठाना पड़े। 2014-24 तक उर्वरक सब्सिडी 11.9 लाख करोड़ रुपये थी जो 2004-14 के दौरान दी गई सब्सिडी से दोगुनी से भी अधिक है।

कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को 2025-26 तक जारी रखने को मंजूरी दी। इस निर्णय से 2025-26 तक देश भर के किसानों के लिए न रोकी जा सकने वाली प्राकृतिक आपदाओं से फसलों के जोखिम कवरेज में मदद मिलेगी। इसके अलावा, योजना के क्रियान्वयन में बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी के उपयोग से पारदर्शिता और दावा गणना और निपटान में वृद्धि होगी। इसके लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 824.77 करोड़ रुपये की राशि के साथ नवाचार और प्रौद्योगिकी कोष (एफआईएटी) के निर्माण को भी मंजूरी दी है।

तीन अलग-अलग थानों की पुलिस ने मुठभेड़ में छह बदमाशों को किया गिरफ्तार

नोएडा । आरएनएस

नोएडा में नए साल का आगाज होते ही तीन अलग-अलग थानों की पुलिस ने बीती देर रात मुठभेड़ में छह बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से अवैध हथियार, चोरी की बिना नंबर प्लेट की बाइक और चोरी का अन्य सामान बरामद हुआ है।

पहला एनकाउंटर थाना फेस-2 पुलिस और मोबाइल टावरों के आरआरयू और अन्य कीमती उपकरण चोरी करने वाले वांछित बदमाश के साथ हुई। पुलिस के मुताबिक 1 जनवरी को थाना फेस-2 नोएडा पुलिस द्वारा केंट आरओ चौराहे पर चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान एक बिना नम्बर की बाइक पर सवार व्यक्ति को रुकने का इशारा किया गया जो नहीं रुका और तेजी से निम्मी विहार की तरफ भागने लगा। जिस पर पुलिस ने उसका पीछा किया। अपने आप को घिरता देख बदमाश ने हथियार से पुलिस बल पर फायर कर दिया। पुलिस द्वारा की गयी जवाबी कार्रवाई में बदमाश विकास उर्फ टोई (24) गोली लगने से घायल हो गया। घायल बदमाश के कब्जे से 1 देशी तमंचा .32 बोर, 1 खोखा कारतूस .32 बोर, 1 जिंदा कारतूस .32 बोर और 1 चोरी की बाइक बिना नम्बर प्लेट बरामद हुई है।

पुलिस ने बताया है कि विकास उर्फ टोई का मोबाइल टावर के आरआरयू चोरी करने का एक गैंग है। जिसका एक साथी राशिद पहले ही गिरफ्तार किया गया था। जिसके साथ मिलकर विकास उर्फ टोई ने कई मोबाइल टावर के आरआरयू चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। इस पर अलग अलग थानों में चोरी के 18 मामले दर्ज हैं।

दूसरे मामले में थाना फेस-1 पुलिस व बदमाश के बीच मुठभेड़ हुई है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना फेस-1 पुलिस टीम गोल चक्कर से आने वाले रास्ते पर गंदे नाले के ऊपर चेकिंग कर रही थी। तभी सामने से 2 व्यक्ति एक बिना नंबर प्लेट की मोटर साइकिल पर आते दिखाई दिये, पुलिस ने चैकिंग के लिए रोका तो वो नही रुके और बाइक को पीछे मोडक़र सेक्टर 14ए के पीछे से दिल्ली की तरफ जाने वाले गंदे नाले की पटरी पर भागने लगे। थोडी दूर जाकर मोटर साइकिल फिसल कर गिर गई और बदमाशो ने अपने पास लिए अवैध तमंचे से पुलिस पार्टी पर फायर कर दिया। पुलिस द्वारा की गयी जवाबी कार्रवाई में बदमाश ओम (23) गोली लगने से घायल हो गया। घायल का साथी संजय राय (22) मौके से फरार हो गया था जिसे कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है। बदमाशों के कब्जे से 6 मोबाइल फोन चोरी और लूट की एक मोटर साइकिल बरामद हुई है।

तीसरी मुठभेड़ में थाना इकोटेक-3 पुलिस ने सवारी बनकर गाडिय़ों में बैठकर लूटपाट करने वाले बदमाशों के साथ हुई मुठभेड में तीन बदमाशों को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 9500 रूपये, चोरी की एक मोटर साइकिल, 2 तमंचे .315 बोर, 2 जिन्दा व 2 खोखा कारतूस, 1 तमंचा .32 बोर, 1 जिन्दा और 1 खोखा कारतूस .32 बोर बरामद हुआ है।

पुलिस ने बताया है कि 1 जनवरी को थाना ईकोटेक-3 पुलिस पुस्ता रोड के आस-पास संदिग्ध वाहन व व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। तभी सामने से एक मोटर साईकिल पर तीन लडक़े आते दिखाई दिये। वह नहीं रुके व पुलिस पर फायर करते हुए मोटरसाइकिल से नयागांव इलाहाबास की तरफ भागने लगे। पुलिस वालो को अपने नजदीक आता देख लडक़े मोटरसाइकिल को मोडक़र कच्चे रास्ते की तरफ भागने लगे। खुद को घिरता हुआ देखकर उन लडकों ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से एक बार फिर फायर कर दिया। पुलिस की जवाबी कार्यवाही में तीनों बदमाश गोली लगने से घायल हो गये। घायल बदमाशों ने अपना नाम टीटू, आकाश गुप्ता उर्फ चमन और खालिद बताया है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा जा रहा है। अभियुक्तों के अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है। पुलिस ने बताया है कि बदमाशों ने 28 दिसंबर को रात के समय अर्टिगा कार चालक के साथ लूटपाट की थी।

बलिया में मंत्री संजय निषाद के काफिले की एक गाड़ी पलटी, पांच घायल

बलिया । आरएनएस

उत्तर प्रदेश बलिया के खेजुरी थाना क्षेत्र के पास मंगलवार की देर रात्रि निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद के काफिले के संग चल रही एक गाड़ी पलट गयी। जिसमें पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को काफिले के संग चल रहे लोगों ने आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया।

निषाद पार्टी के सोशल मीडिया प्रभारी और कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के सहयोगी राकेश निषाद ने बताया कि हम लोग मंत्री जी के काफिले में चल रहे थे कि अचानक मोड़ आने पर गाड़ी पलट गई और गाड़ी सवार पांच लोग घायल हो गए। हालांकि हम लोगों को भगवान ने बचा लिया।

उन्होंने बताया कि संवैधानिक रथ यात्रा में शामिल होने के लिए गोरखपुर से बलिया निकले थे। तभी यह हादसा हो गया। उन्होंने बताया कि हादसे में कुल पांच लोग घायल हुए हैं। जिसमें तीन अभी भर्ती हैं जबकि दो लोग रात में डिस्चार्ज हो गए हैं। अभी सभी लोग ठीक हैं। हादसे के समय मंत्री जी की गाड़ी आगे थी। जब घायल हुए तो वह हम लोगों को अस्पताल में भर्ती कराने आए थे। वह रातभर अस्पताल में बैठे थे। सभी लोग अलग-अलग जिले के रहने वाले हैं।

मंत्री संजय निषाद ने बताया कि यह लोग गाड़ी से पीछे चल रहे थे कि अचानक जानवर आ गए। उन्हें बचाने के चक्कर में यह हादसा हो गया। हल्की चोटें आई थी। सभी का इलाज करवाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ को केंद्र सरकार से मिली 250 करोड़ की प्रोत्साहन राशि

वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के लिए छत्तीसगढ़ सरकार के रिफॉर्म की केंद्र सरकार ने की सराहना

रायपुर । आरएनएस

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता लाने के लिए आईटी आधारित वित्तीय प्रबंधन प्रणाली को लागू कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। केंद्र सरकार ने इस डिजिटल सुधार की सराहना करते हुए राज्य को 250 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) के रूप में प्रदान की है। छत्तीसगढ़ राज्य ने केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के वित्तीय प्रबंधन के लिए जस्ट इन टाइम (जेआईटी) मॉडल और एसएनए स्पर्श प्रणाली को अपनाया है। यह प्रणाली वित्तीय प्रवाह को कुशल बनाते हुए निधियों के वितरण, ट्रैकिंग और भुगतान को आसान बनाती है। इसके तहत राज्य सरकार ने केंद्र की निधि को आरबीआई के ई-कुबेर नेटवर्क और राज्य की निधि को वित्तीय प्रबंधन एवं सूचना प्रणाली (एफएमआईएस) के माध्यम से समेकित किया है। इस पहल से निधि के सही समय पर उपयोग और वास्तविक समय में व्यय की रिपोर्टिंग भी सुनिश्चित हुई है। इस सुधार के तहत स्मार्ट भुगतान एल्गोरिथम का उपयोग किया गया

है, जिससे भुगतान ट्रिगर नियमों के आधार पर वास्तविक समय में किया जाता है। इससे सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के परिणाम बेहतर हुए हैं। साथ ही, राज्य में डिजिटल प्लेटफॉर्म और पोर्टल्स का निर्माण कर आम जनता को सरकारी योजनाओं का लाभ तेजी से और पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने डिजिटल इंडिया और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) को बढ़ावा देने के लिए अपने तकनीक आधारित सुधारों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक बनाया है। राज्य की अधोसंरचना परियोजनाओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम को इस प्रोत्साहन राशि से और अधिक मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि तकनीक आधारित सुधार और सुशासन ही छत्तीसगढ़ के आर्थिक विकास का मूलमंत्र है। यह उपलब्धि न केवल प्रशासनिक दक्षता का प्रमाण है, बल्कि जनता के प्रति हमारी सरकार के सुशासन के संकल्प का प्रमाण है। छत्तीसगढ़ सरकार का यह प्रयास न केवल राज्य को तकनीकी रूप से सशक्त बनाएगा, बल्कि अन्य राज्यों के लिए भी एक प्रेरणा बनेगा। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाने आईटी के प्रयोग को बढ़ावा दे रही है, इसी के तहत् केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के लिए राशि जारी करने, वितरित करने एवं निधियों की ट्रैकिंग करने तथा बेहतर नकद प्रबंधन के लिए राज्य शासन द्वारा एसएनए स्पर्श के अंतर्गत जेआईटी (जस्ट इन टाईम) मॉडल को अपनाया गया है। इसके माध्यम से केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के लिए नवीन सिस्टम के माध्यम से कार्य किया जा रहा है जिसका उद्देश्य केन्द्र और राज्य की समेकित निधि से राशि को उचित समय पर प्राप्त कर कुशल भुगतान प्रसंस्करण पर ध्यान केन्द्रित करते हुए निधि के उपयोग को अनुकूलित करना एवं व्यय की वास्तविक समय रिपोर्टिंग की सुविधा प्रदान करना है। इसमें केन्द्र प्रवर्तित योजना के राज्य की हिस्से की राशि एफएमआईएस (वित्तीय प्रबंधन एवं सूचना प्रणाली) तथा केन्द्र के हिस्से की राशि आरबीआई के ई-कुबेर नेटवर्क के माध्यम से जारी की जाती है, जिससे रियल टाईम फण्ड यूटिलाईजेशन किया जा रहा है। केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के लिए कुशल निधि प्रवाह प्रणाली के साथ भुगतान सह लेखा नेटवर्क की स्थापना कर सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली की सुविधा प्रदान करने के लिए जस्ट इन टाईम के माध्यम से सही समय पर राशि हस्तांतरण की प्रक्रिया अपनायी गई है। इसमें स्मार्ट भुगतान के तहत एल्गोरिदम के माध्यम से ट्रिगर नियमों पर आधारित वास्तविक समय में कुशल भुगतान किया जा रहा है जिससे सार्वजनिक क्षेत्र में वित्तीय प्रबंधन परिणामों को बेहतर बनाने में मदद मिली है। छत्तीसगढ़ शासन केन्द्र सरकार के डिजिटल इण्डिया पहल को मजबूत करने हेतु प्रतिबद्ध है। बेहतर नकद प्रबंधन एवं सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के लिए जस्ट इन टाईम मॉडल डिजिटल इण्डिया एवं डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) को सहयोग प्रदान करता है। तकनीक आधारित रिफॉर्म और सुशासन तीव्र आर्थिक विकास वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट वक्तव्य में शामिल स्ट्रैटेजिक स्तंभों में से एक है।